रिमझिम फुहारों में कृष्ण जन्मोत्सव, झांकियों में भोपाल की विरासत

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी : 'नंद के आनंद भयो' से गूंजा शहर, जगह- जगह हुई मटकी फोड़ प्रतियोगिता

सीएम हाउस

भोपाल, 4 सितम्बर (नवभारत न्यूज). बारिश की बूंदों के बीच शुक्रवार को राजधानी कृष्ण भक्ति में डूबी रही. श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर कहीं कान्हा को झूला झुलाया गया तो कहीं माखन-मटकी फोड़कर जन्म की खुशी मनाई गई. मंदिरों में फूलों और रोशनी से सजे दरबार देखने सुबह से श्रद्धालु पहुंचने लगे. शाम होते ही भजन-कीर्तन और 'नंद के आनंद भयो' की गूंज शहर के अलग-अलग हिस्सों में सुनाई देने लगी. पुराने शहर में निकली झांकियों में धर्म, संस्कृति और भोपाल की विरासत एक साथ नजर आई. बारिश के बावजूद सड़कों पर श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही. आधी रात को मंदिरों में जन्म आरती के बाद प्रसाद बांटा गया.

सीएम हाउस

श्रीकृष्ण के जीवन से कष्ट में धैर्य संयम की प्रेरणा : सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आख्यान पर्व में भगवान श्रीकृष्ण का पूजन कर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण ने स्वयं कष्ट सहकर दूसरों के लिए सुख-समृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया. सरकार श्रीराम-श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों को भव्य तीर्थ के रूप में विकसित कर रही है. कार्यक्रम में बाल-गोपालों को माखन खिलाया गया. कलाकारों ने कृष्ण जन्म, कालिया नाग मर्दन, गोवर्धन लीला और कंस वध सहित प्रस्तुतियां दीं. जबलपुर के कलाकारों ने मयूर नृत्य और उज्जैन के खिलाड़ियों ने मलखंभ के करतब दिखाए. मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया. उन्हें वैदिक घड़ी भी भेंट की गई। उन्होंने भारत की 7.8 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि दर का भी उल्लेख किया.

बिड़ला मंदिर

राजधानी के बिड़ला मंदिर में शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनाया गया. इस अवसर पर राधा-कृष्ण की आरती करते हुए पुजारी.

रवीन्द्र भवन में रासलीला समारोह का समापन

संस्कृति विभाग द्वारा मुक्ताकाश मंच, रवींद्र भवन में आयोजित सात दिवसीय रासलीला समारोह' का शुक्रवार को समापन हुआ. अंतिम दिन नंद उत्सव और महारास का मंचन किया गया. ब्रज के पारंपरिक कलाकारों ने श्री माधव आचार्य, मथुरा के निर्देशन में कृष्ण की बाल लीलाओं और राधा-कृष्ण प्रेम को जीवंत किया. नंद उत्सव में नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयघोष से वातावरण कृष्णमय हो गया. इसके बाद महारास की प्रस्तुति में भक्ति और जीवात्मा-परमात्मा के दिव्य मिलन का भाव उभरा. समापन पर सुश्री तृप्ति शाक्या एवं दल, दिल्ली ने भक्ति गायन प्रस्तुत किया. उनके भजनों पर दर्शकों ने करतल ध्वनि से सराहना की.

रवीन्द्र भवन

लखेरापुरा से निकली शोभायात्रा, राधा-कृष्ण पर पुष्प वर्षा

श्री हरिहर महोत्सव समिति ने श्रीजी मंदिर लखेरापुरा से चार किलोमीटर लंबी शोभायात्रा निकाली, जो करीब छह घंटे बाद सोमवारा पहुंची. रास्ते में 21 स्थानों पर कृष्ण बने कलाकारों ने ग्वालों के साथ माखन-मटकी फोड़ी. यात्रा में शिव-पार्वती, राधा-कृष्ण और वासुदेव के यमुना पार करने की झांकियां शामिल रहीं. राजा भोज की जीवंत झांकी के जरिए जल और पर्यावरण बचाने का संदेश दिया गया. ढोल, बैंड और आदिवासी नृत्य दलों के बीच श्रद्धालु भजनों पर झूमते चले. रास्ते में विभिन्न संस्थाओं ने पुष्पवर्षा, आरती और प्रसाद वितरण कर यात्रा का स्वागत किया.

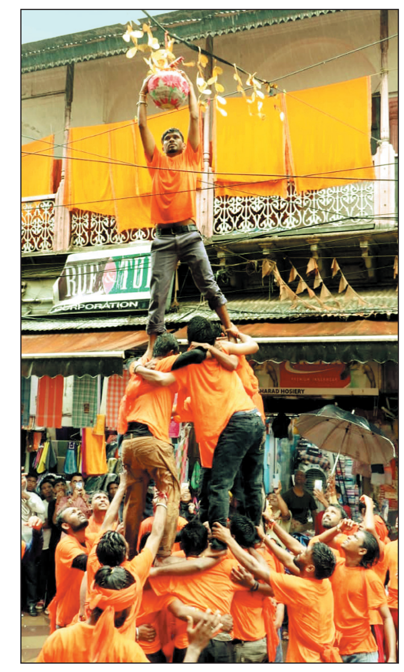

ब्रह्माकुमारी सुख-शांति भवन में चैतन्य झांकी

ब्रह्माकुमारी सुख-शांति भवन, नीलबड़ में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर श्रद्धालुओं और शहरवासियों की भीड़ उमड़ी. राधा-कृष्ण के रूप में सजे बच्चों और आकर्षक चैतन्य झांकी ने सभी का मन मोह लिया. वरिष्ठ राजयोगिनी बीके नीता दीदी ने कहा कि जन्माष्टमी केवल उत्सव नहीं, बल्कि श्रेष्ठ संस्कार और दिव्य गुणों को जीवन में अपनाने का अवसर है. बीके आराधना दीदी ने श्रीकृष्ण के पवित्रता, प्रेम, शांति और प्रसन्नता जैसे गुणों को आत्मसात करने का संदेश दिया. आध्यात्मिक क्विज और राजयोग ध्यान का आयोजन भी हुआ. कालिया नाग लीला को काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार पर विजय का प्रतीक बताया गया। बच्चों की प्रस्तुतियों ने उत्सव में रंग भर दिया.

एक नजर में

संस्कारों की रक्षा के लिए बुरी संगति से दूर रहें

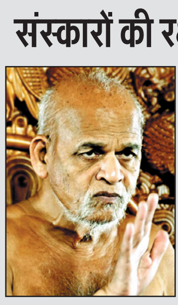

भोपाल, 4 सितंबर. राजधानी के एमपी नगर स्थित विद्योदय तीर्थ में धर्मसभा में प्रवचन देते हुए आचार्यश्री समयसागर जी महाराज ने कहा कि व्यक्ति के जीवन और चरित्र के निर्माण में संगति की निर्णायक भूमिका होती है. उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति से घृणा करने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन उन प्रभावों से सावधान रहना चाहिए जो धार्मिक आस्था और नैतिक संस्कारों को कमजोर करते हैं. आचार्यश्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार दूध की शुद्धता बनाए रखने के लिए उसे नमक से दूर रखा जाता है, उसी प्रकार धर्म और संस्कारों की रक्षा के लिए बुरी संगति से दूरी आवश्यक है. उन्होंने नशे, अश्लीलता और अनुशासनहीन जीवनशैली से दूर रहने को आत्मसंयम का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया.

स्कूल ने जीती सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी स्पर्धा

भोपाल, 4 सितंबर. रोटरी क्लब ऑफ भोपाल मिडटाउन की 18वीं वार्षिक अंतर विद्यालयीन सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का समापन राज्य संग्रहालय सभागार, श्यामला हिल्स में हुआ. प्रतियोगिता का आयोजन राज्य पुरातत्व विभाग के सहयोग से किया गया. दो दिवसीय प्रतियोगिता में भोपाल के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया. सेमीफाइनल में 20 टीमों ने हिस्सा लिया. सेंट मैरी स्कूल की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया. माउंट कार्मेल स्कूल दूसरे और कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल तीसरे स्थान पर रहे. विजेता टीमों को मुख्य अतिथि एवं पीडीवी अशोक बिस्सोरे, पंजाब एंड सिंध बैंक के महाप्रबंधक तथा रोटरी क्लब ऑफ भोपाल मिडटाउन की अध्यक्ष तरुणा तनेजा ने पुरस्कार प्रदान किए.

वन विहार : गिद्ध संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आज

भोपाल, 4 सितंबर. अंतरराष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस के अवसर पर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान एवं चिड़ियाघर में 5 और 6 सितंबर को विभिन्न जागरूकता, शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी. कार्यक्रम का आयोजन विश्व प्रकृति निधि भारत और बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी के सहयोग से किया जाएगा. इसका उद्देश्य विद्यार्थियों, पर्यटकों और आम नागरिकों को गिद्धों की प्रजातियों, प्राकृतिक आवास, पारिस्थितिकी तंत्र में भूमिका और संरक्षण की आवश्यकता के प्रति जागरूक करना है. 5 सितंबर को सुबह 7 से 8 .30 बजे तक भोपाल बर्ड्स संस्था द्वारा बर्ड वाचिंग कराई जाएगी. शाम 4 से 5 .30 बजे तक स्नैक पार्क में पर्यटकों के लिए ऑन-स्पॉट क्विज और स्नैक एंड लेजर गेम का प्रदर्शन होगा. 6 सितंबर को सुबह 9 से 10 .30 बजे तक वीथिका में स्टोन पेंटिंग और वुडन टाइल पेंटिंग होगी.

निटर में स्थापित होगा संस्कृत अध्ययन केंद्र

भोपाल, 4 सितंबर. भारतीय ज्ञान परंपरा को तकनीकी शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं नवाचार से जोड़ने राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (निटर), भोपाल में अब संस्कृत अध्ययन केंद्र की स्थापना की जा रही है. केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने निटर भोपाल में संस्कृत अध्ययन केंद्र स्थापित करने स्वीकृति प्रदान की है. संस्थान के निदेशक प्रो. सी. सी. त्रिपाठी ने कहा कि संस्कृत अध्ययन केंद्र केवल एक अकादमिक इकाई नहीं होगा, बल्कि यह भारतीय ज्ञान, विज्ञान और संस्कृति को नई पीढ़ी से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण सेतु बनेगा. संस्कृत अध्ययन केंद्र की स्थापना राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण, संवर्धन और शिक्षा के विभिन्न स्तरों के साथ उसके समन्वय की भावना के अनुरूप है.

कक्षा से निकले नवाचार को आज मिलेगा सम्मान

शिक्षक दिवस आज

- 33 शिक्षकों को मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे सम्मानित

कंचन शिवपुरिया

भोपाल, 4 सितम्बर. किसी ने कविता- कहानी से विज्ञान को आसान बनाया, किसी ने घर-घर जाकर बच्चों को दोबारा स्कूल से जोड़ा, किसी ने अपनी जमा पूंजी से विद्यालय की तस्वीर बदल दी. शिक्षक दिवस पर शनिवार को ऐसे शिक्षकों का सम्मान किया जाएगा.

भोपाल में शिक्षक दिवस पर शनिवार को आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में होने वाले राज्यस्तरीय समारोह में अलग-अलग जिलों से चुने 33 शिक्षकों को राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सम्मानित करेंगे. समारोह में सम्मानित होने वाले ऐसे कुछ शिक्षकों से नवभारत ने उनकी उपलब्धियों पर चर्चा की. प्रस्तुत है कुछ शिक्षकों से हुई बातचीत-

ब्रह्माकुमारीज़ सुख-शांति भवन, नीलबड़ में शुक्रवार को शिक्षाविद् सम्मान समारोह में शिक्षक-मानवता के पथ प्रदर्शक विषय पर शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों, शिक्षाविदों ने शिक्षा में संस्कारों, मानवीय मूल्यों की भूमिका पर विचार साझा किए.

अपने पैसे से स्कूल को संवारा

कटनी के शिक्षक महेंद्र सिंह को स्कूल की तस्वीर बदलने और बच्चों को हुनर से जोड़ने के लिए सम्मान मिलेगा. उन्होंने बताया कि वर्ष 2015 से अब तक जीपीएफ और वेतन की बचत से करीब 19 लाख रुपये खर्च कर स्कूल में जरूरी सुविधाएं जुटाई हैं. विद्यालय में संगीत, वेल्डिंग, इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर से जुड़ी व्यावसायिक शिक्षा भी शुरू की गई.

नवाचार से बढ़ाई उपस्थिति

बच्चों की नियमित उपस्थिति और पढ़ाई में रुचि बढ़ाने के लिए किए गए नवाचारों पर नरसिंहपुर की शिक्षिका शिखा शर्मा को सम्मान मिलेगा. उन्होंने 'स्टार ऑफ द मंथ' गतिविधि शुरू की, जिसमें हर महीने 90 से 100 प्रतिशत उपस्थिति वाले बच्चों के साथ उनके अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया. कमजोर विद्यार्थियों के लिए रात में ऑनलाइन और रविवार को विशेष कक्षाएं लगाई गईं. स्कूल में विद्यार्थियों की बनाई सामग्री दिखाने के लिए अलग कोना भी तैयार किया गया.

कविता-कहानी सुनाकर बच्चों को पढ़ाई से जोड़ा

आगर मालवा के शिक्षक शिवलाल दांगी को शिक्षा के क्षेत्र में किए गए नवाचार के लिए सम्मान प्रदान किया जाएगा. दांगी सामाजिक विज्ञान जैसे विषय को कविता, कहानी और गायन के माध्यम से पढ़ाते हैं. अभिभावकों को बच्चों की पढ़ाई से जोड़ने के लिए वे पिछले पांच वर्षों से प्रत्येक रविवार विद्यार्थियों के साथ समय बिता रहे हैं. उनका दावा है कि इससे स्कूल में बच्चों की नियमित उपस्थिति करीब 97 प्रतिशत हो गई है.

खेल और पहेलियों से पढ़ाई को बनाया आसान

उज्जैन की विज्ञान शिक्षिका सावता तिवारी को केमिस्ट्री के कठिन विषय खेल, कहानी, ट्रिक्स और पहेलियों के जरिए आसान बनाने के नवाचार पर सम्मान मिलेगा. वह बच्चों से खुद चार्ट बनवाती है. विज्ञान आधारित वर्ग पहेली और उलझे हुए फॉर्मूलों को सही क्रम में लगाने जैसे खेल भी उनकी कक्षा का हिस्सा हैं. उनका कहना है कि इससे बच्चे खेल-खेल में कठिन फॉर्मूले और कॉन्सेप्ट समझ लेते हैं.

घर-घर जाकर बच्चों को स्कूल आने के लिए प्रेरित किया

दमोह जिले के पथरिया के शिक्षक बलिराम अहिरवार को शैक्षणिक नवाचार के लिए सम्मान मिलेगा. बलिराम कक्षा में कमजोर बच्चों को तीन दिन आगे और तीन दिन पढ़ाई में अच्छे विद्यार्थियों के साथ बैठाते हैं. स्कूल नहीं आने वाले बच्चों के घर जाकर उन्हें नियमित स्कूल आने के लिए प्रेरित करते हैं. वे होमवर्क की रोज जांच और बच्चों से अलग-अलग गतिविधियों का प्रस्तुतिकरण कराते हैं.

अखिल भारतीय कलामंदिर 9 शिक्षकों का करेगा सम्मान

भोपाल. अखिल भारतीय कलामंदिर संस्था द्वारा शिक्षक दिवस पर शिक्षक उल्हास तैलंग, डॉ. प्रकाश बरतूनिया, डॉ. राजेश तिवारी, कृष्णदेव चतुर्वेदी, डॉ. प्रभात पांडेय, रमेश जोशी, डॉ. अनिता तिवारी, मनोज पाटीदार और गीतिका लोहट को को श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान 2026 से अलंकृत किया जाएगा. यह आयोजन पंडित नंदकिशोर शर्मा संगीताचार्य की 126वीं जयंती की स्मृति में किया जा रहा है. सम्मान समारोह 5 सितंबर को शाम 5 बजे से शिवाजी नगर स्थित विश्व संवाद केंद्र में होगा. कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. गौरीशंकर शर्मा गौरीश करेंगे. मुख्य अतिथि सांसद आलोक शर्मा, विशेष अतिथि पूर्व न्यायाधीश उमेश गुप्ता, पूर्व कुलाधिपति डॉ. प्रकाश बरतूनिया, निराला सृजन पीठ की निदेशक डॉ. साधना बलवटे, हरिवल्लभ शर्मा हरि, उपाध्यक्ष मदन मोहन समर, डॉ. प्रभात पांडेय और महासचिव वीके श्रीवास्तव शामिल होंगे.

साहित्य ‣ 'शांति-गया साहित्य, कला एवं खेल संवर्धन समिति' ने की सम्मानों की घोषणा

प्रबोध गोविल को साहित्य शिखर सम्मान

नवभारत न्यूज

भोपाल, 4 सितंबर. शहर की प्रतिष्ठित संस्था 'शांति-गया साहित्य, कला एवं खेल संवर्धन समिति' के छठवें वार्षिक सम्मानों की घोषणा कर दी गई.

समिति की अध्यक्ष कांति शुक्ला 'उर्मि' एवं सचिव अरुण अर्णव खरे ने परिणामों की घोषणा करते हुए सूचित किया कि इस वर्ष का शांति-गया साहित्य शिखर सम्मान जयपुर के वरिष्ठ साहित्यकार प्रबोध गोविल को दिया जाएगा. उड़ीसा के दिनेश माली को उनके रचनात्मक अवदान के लिए हरिशंकर श्रीवास्तव साहित्य श्री सम्मान से सम्मानित किया जाएगा. कृति सम्मानों में नैली राजेश सिंह स्मृति उपन्यास सम्मान ग़ाज़ियाबाद के आचार्य राजेश कुमार एवं उदयपुर की आशा पांडेय को संयुक्त रूप से, लघुकथा सम्मान शर्मिला चौहान एवं मनोरमा पंत को एवं बाल साहित्य के लिए डॉ मालती बसंत एवं पद्मा चौगांवकर को दिए जाएंगे. शकुंतला उर्मलिया श्रेष्ठ कृति सम्मानों के लिए दीपक गिरकर एवं सुदर्शन सोनी (उपन्यास), कर्नल डॉ. गिरिजेश सक्सेना एवं डॉ. वर्षा ढोबले (लघुकथा) तथा लाल देवेंद्र श्रीवास्तव एवं जीनत एहसान कुरैशी (बाल साहित्य) का चयन किया गया. कला के लिए हिदायत खान (लोक कलाकार, जोधपुर) एवं सुधीर पंडया (हॉबी, भोपाल), खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अशोक कुमार (हॉकी ओलिंपियन), लाइफ टाइम अचीवमेंट एवं जी एल यादव (सेलिंग, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी) तथा खेल लेखन के लिए हरीश हर्ष (भिलाई) को भी सम्मानित किया जाएगा. सम्मान समारोह 22 अक्तूबर को भोपाल में आयोजित किया जाएगा.

आरएनटीयू विद्यार्थियों ने जीते तीन योगासन पदक

- प्रतियोगिता में 200 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया

खेल प्रतिनिधि

भोपाल, 4 सितंबर. आरएनटीयू और मध्य प्रदेश योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन की संयुक्त मेजबानी में भोपाल जिला योगासन चैंपियनशिप आयोजित की गई.

प्रतियोगिता में 200 से अधिक खिलाड़ियों ने विभिन्न वर्गों में हिस्सा लिया. आरएनटीयू की नम्रता यादव ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि जतिन और नैना कुमार ने कांस्य पदक हासिल किए. स्वर्ण विजेता नम्रता का चयन राज्य स्तरीय चैंपियनशिप के लिए हुआ है. कार्यक्रम में पूर्व डीआईजी ने खिलाड़ियों को योग को नियमित जीवनशैली में शामिल करने की सलाह दी. आरएनटीयू की रजिस्ट्रार डॉ. संगीता जौहरी ने कहा कि योग शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक और व्यक्तिगत विकास में भी मदद करता है. उन्होंने योग पर शोध और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने की जरूरत बताई. योग विभागाध्यक्ष डॉ. रत्नेश पांडेय और मध्य प्रदेश योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के प्रमुख वेदप्रकाश शर्मा ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया.